उ.प्र. व गुजरात में उपज खरीदी को मंजूरी

13,890.60 करोड़ रु. की उपज खरीदी से किसानों को होगा फायदा : शिवराज सिंह

नई दिल्ली, 23 सितंबर 2025, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ 2025-26 के लिए उत्तर प्रदेश और गुजरात में प्रमुख दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीद को स्वीकृति दी है. किसानों से उड़द व तूर की शत-प्रतिशत खरीद के लिए शिवराज सिंह ने मंजूरी दी है, वहीं उ.प्र. में मूंग, तिल, मूंगफली तथा गुजरात में सोयाबीन, मूंग व मूंगफली भी खरीदने की अनुमति प्रदान की है.

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने गुजरात में किसानों के लिए उड़द की पूरी 47,780 मीट्रिक टन उपज की खरीद को मंजूरी दी है, जिसकी कुल कीमत 372.68 करोड़ रु. होगी. साथ ही, सोयाबीन की 1,09,905 मीट्रिक टन खरीदी की मंजूरी दी है, जिसकी कीमत 585.57 करोड़ रु. होगी. गुजरात में मूंगफली की 12 लाख 62 हजार 163 मीट्रिक टन मात्रा खरीदने की स्वीकृति केंद्रीय कृषि मंत्री ने दी है, जिसकी कीमत 9,167.08 करोड़ रु. रहेगी. इसके अलावा, मूंग 4,415 मीट्रिक टन खरीदने की स्वीकृति शिवराज सिंह ने दी है, जिसका मूल्य 38.71 करोड़ रु. रहेगा.

किसानों के हित में पूरी खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से करने के लिए शिवराज सिंह ने इन राज्यों को निर्देश दिए, साथ ही कहा कि दोनों राज्यों में 13,890.60 करोड़ रु. की उपज खरीदी से किसानों को लाभ होगा.

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज हुई वर्चुअल बैठक में उ.प्र. के कृषि मंत्री श्री सूर्यप्रताप शाही तथा गुजरात के कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल शामिल थे, वहीं केंद्रीय कृषि सचिव डा. देवेश चतुर्वेदी तथा केंद्र व दोनों राज्य सरकारों के वरिष्ठ कृषि अधिकारी भी बैठक में सम्मिलित हुए.

बैठक में शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित में पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी, डिजिटल व सुचारू रूप से की जाएं, जिस पर दोनों राज्यों के कृषि मंत्रियों ने कहा कि उपज खरीद आधुनिक बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण व पीओएस मशीन व्यवस्था के साथ डिजिटल पोर्टलों के जरिए होगी.

जीएसटी 2.0 के पहले दिन बिके रिकॉर्ड वाहन

नयी दिल्ली, 23 सितंबर. वस्तु एवं सेवा कर में नये सुधार लागू होने के बाद पहले दिन 22 सितंबर को कई कंपनियों ने रिकॉर्ड वाहन बेचे. सरकारी सूत्रों के मुताबिक, देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी मारुति सुजुकी ने सोमवार को 30 हजार कारों की डिलीवरी की और उसके पास 80 हजार इनक्वायरी आयी. यह 35 साल के कंपनी के इतिहास में एक दिन की सबसे अधिक डिलीवरी है. इसके पीछे दो कारण हैं - एक नवरात्र में आम तौर पर लोग वाहन खरीदना शुभ मानते हैं और दूसरा जीएसटी 2.0 में करों में कटौती की घोषणा के बाद लोगों ने अपनी खरीद टाल दी थी और पहले दिन ही उन्होंने डिलीवरी लेकर कर छूट का भरपूर लाभ उठाया. त्योहारी मौसम में आने वाले समय में भी बिक्री में तेजी जारी रहने की उम्मीद है.

वेकोलि की प्रमुख पहल 'तेजस' का शुभारंभ

नागपुर, 23 सितम्बर 2025 को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) ने 'तेजस रांसफोर्मिंग जूनियर ईंटो एस्पिरिंग स्टार्स ('तेजस)' नामक अभिनव मानव संसाधन पहल का शुभारंभ किया. इस पहल का उद्देश्य भारत के ऊर्जा क्षेत्र के भावी नेतृत्व का निर्माण करना है. वेकोलि, कोल इंडिया लिमिटेड की पहली अनुषंगी कंपनी है जिसने यह महत्वपूर्ण पहल की है.

'तेजस' का उद्घाटन वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक जे. पी. द्विवेदी द्वारा किया गया. इस अवसर पर निदेशक बिक्रम घोष, निदेशक तकनीकी आनंदजी प्रसाद, निदेशक (कार्मिक) डॉ. हेमंत शरद पांडे, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री अजय माधुकर म्हेत्रे सहित स्टीयरिंग समिति के सदस्य आशीष मूर्ति एवं एस. आर. गबाले की विशेष उपस्थिति रही .

'तेजस' पहल के अंतर्गत वेकोलि के 657 जेन-ज़ी अधिकारियों को उनकी क्षमता विस्तार के उद्देश्य से प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वे भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कोयला क्षेत्र को नेतृत्व प्रदान कर सके. यह प्रशिक्षण उनकी डिजिटल-फर्स्ट सोच और सृजनात्मक ऊर्जा को दिशा देगा. 12 दिनों में 84 घंटे के गहन अध्ययन को 10 बैचों में संचालित किया जाएगा, जिसमें क्षमता निर्माण तथा प्रतिभा संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. 'तेजस' की विशेषता इसका संतुलित अकादमिक मॉडल है, जिसमें 75त्न सत्र वेकोलि के अधिकारियों द्वारा और 25 प्रतिशत सत्र बाहरी विशेषज्ञों द्वारा लिए जाएंगे. इसमें कोयला क्षेत्र से जुड़े सभी व्यावहारिक पहलुओं, नियम-कानून से लेकर भावी चुनौतियों तक, को शामिल किया गया है, जिससे प्रतिभागी समग्र नेतृत्व की ओर विकसित हो सकें.

सेंसेक्स-निफ्टी में गिरावट

आईटीसी, कोटक, एयरटेल में गिरावट, मारुति में तेजी

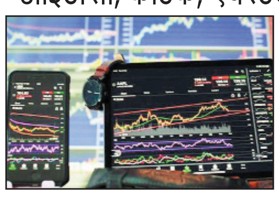

मुंबई, 23 सितंबर. घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को भी गिरावट जारी रही और शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांक लाल निशान में चले गये. बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 12.60 अंक की गिरावट के साथ 82,147.37 अंक पर खुला.

कुछ देर के लिए यह हरे निशान में जरूर गया लेकिन उसके बाद फिर बाजार में बिकवाली तेज हो गयी. खबर लिखे जाते समय सेंसेक्स 118.45 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82,041.52 अंक पर था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 सूचकांक 6.65 अंक की तेजी के साथ 25,209 अंक पर खुला. खबर लिखे जाते समय यह 27.90 अंक यानी 0.11 फीसदी नीचे 25,174.45 अंक पर रहा.

एफएमसीजी, बैंकिंग और रियल्टी सेक्टरों में ज्यादा गिरावट रही जबकि ऑटो, धातु और तेल एवं गैस सेक्टरों के शेयरों में लिवाली का जोर रहा. सेंसेक्स की कंपनियों में एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक आईटीसी के शेयर गिरावट में रहे जबकि मारुति सुजूकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स और बजाज फाइनेंस के शेरों में तेजी देखी गई.

उड़ानों में बढ़ेगा विकल्प, यात्रियों को मिलेगा लाभ

नयी दिल्ली, 23 सितंबर. वियतनाम एयरलाइंस और सिंगापुर एयरलाइंस ने एक नया कोडशेयर समझौता किया है जिससे यात्रियों को दोनों के मार्गों पर यात्रा के और अधिक विकल्प मिलेंगे. इस समझौते के तहत सिंगापुर एयरलाइंस सिंगापुर और वियतनामी शहरों हनोई और हो ची मिन्ह सिटी के बीच वियतनाम एयरलाइंस द्वारा संचालित उड़ानों पर कोडशेयर करेगी, जबकि वियतनाम एयरलाइंस सिंगापुर और डा नांग, हनोई और हो ची मिन्ह सिटी के बीच सिंगापुर एयरलाइंस द्वारा संचालित उड़ानों पर कोडशेयर करेगी. कोडशेयर 26 अक्टूबर से प्रभावी होगा और 10 अक्टूबर से दोनों एयरलाइनों के बिक्री चैनलों और ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से बिक्री के लिए टिकट उपलब्ध होंगी.

उद्योगों की उत्पादन वृद्धि 6.3% रही

इस बार अगस्त में कोयला उत्पादन में 11.4 प्रतिशत प्रतिशत की वृद्धि रही

पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 0.5 प्रतिशत ऊंचा रहा.

नयी दिल्ली, 23 सितंबर. उत्पादन सूचकांक के आधार पर देश में आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में इस वर्ष अगस्त में एक साल पहले के इसी माह की तुलना में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी. जुलाई 2025 में आठ प्रमुख उद्योगों की उत्पादन वृद्धि दर 3.7 प्रतिशत और चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अगस्त अवधि में 2.8 प्रतिशत रही.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अगस्त में इस्पात, कोयला, सीमेंट, उर्वरक, बिजली और पेट्रोलियम रिफाइनरी क्षेत्रों में उत्पादन सालाना आधार पर ऊंचा रहा जबकि कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में गिरावट रही. इनका देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में योगदान लगभग 40.27 प्रतिशत है. सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, इस बार अगस्त में कोयला उत्पादन में 11.4 प्रतिशत प्रतिशत की वृद्धि रही जबकि इस अप्रैल से अगस्त के दौरान उत्पादन सालाना आधार पर 0.7 प्रतिशत कम रहा. अगस्त में कच्चा तेल उत्पादन सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत और अप्रैल-अगस्त के दौरान 1.7 प्रतिशत कम रहा. प्राकृतिक गैस के उत्पादन में अगस्त माह में 2.2 प्रतिशत और अप्रैल से अगस्त की अवधि में 2.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी.

मुंबई से उड़ान भरेगी एयर इंडिया एक्सप्रेस की 20 फ्लाइट्स

मुंबई, 23 सितंबर. एयर इंडिया समूह की किफायती विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस मुंबई के उपनगरीय इलाके नवी मुंबई में बने नये हवाई अड्डे से 20 दैनिक उड़ानें शुरू करेगी. एयर इंडिया ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि वह नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 15 शहरों के लिए 20 से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू करेगी.

ये उड़ानें हवाई अड्डे के संचालन के पहले चरण से शुरू होंगी. अगले साल के मध्य तक वहां से उड़ानों की संख्या बढ़ाकर रोजाना 55 की जायेगी जिनमें पांच दैनिक अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल होंगी. अगले साल के अंत तक एयर इंडिया समूह का लक्ष्य नवी मुंबई हवाई अड्डे से अपने परिचालन को 60 दैनिक प्रस्थान तक बढ़ाने की योजना है. एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने कहा, हम नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर परिचालन शुरू करने के लिए उत्सुक हैं, क्योंकि मुंबई एक से अधिक हवाई अड्डों वाले विश्व शहरों की श्रेणी में शामिल हो गया है.

जैव ऊर्जा एवं टेक एक्सपो बुधवार से यशोभूमि में

नयी दिल्ली, 23 सितम्बर. जैव ऊर्जा एवं स्वच्छ तकनीकों पर आधारित इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्स्पो के दूसरे संस्करण का आयोजन 24 से 26 सितंबर के बीच दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि में होगा. इस साल के लिए सम्मेलन का विषय है ट्रांजिशन टू नैट जीरो: नीड टू स्केल अप बायो-एनर्जी इनीशिएटिव्स.

इसमें जलवायु प्रतिबद्धताओं के अनुरूप हरित ऊर्जा समाधानों पर देश के बढ़ते फोकस को रेखांकित किया जायेगा. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गटकरी सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे. एक्सपो के समापन सत्र को केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी संबोधित करेंगे. वह इंडियन ग्रीन एनर्जी पुरस्कार भी देंगे.

> इन सत्रों का आयोजन कई महत्वपूर्ण विषयों पर किया जायेगा जिनमें संघनित बायोगैस (सीबीजी), एथेनॉल, आधुनिक जैव ईंधन, हरित विमान ईंधन, बायोमास, सीसीयूएस, कार्बन मार्केट्स, बायो-मोबिलिटी और हरित हाइड्रोजन शामिल हैं. एक्सपो में 100 से अधिक कंपनियां अपनी आधुनिक तकनीकों, उत्पादों एवं समाधानों का प्रदर्शन करेंगी. इनमें प्राज इंडस्ट्रीज, रिलायन्स न्यू एनर्जी, वर्बियो एएम ग्रीन, टीवीएस, नोवोनेसिस, हीरो, टोयोटा, थर्मेक्स, गैस लैब, कैनेक्स, इंडियन ऑयल वेंचर्स,- रेनुका शुगर्स, एनटीपीसी आदि शामिल हैं. उत्तर प्रदेश आयोजन के लिए साझेदार राज्य

गरीबी उन्मूलन को गति देने के लिए नज इंस्टीट्यूट से साझेदारी

नयी दिल्ली, 23 सितंबर. अब्दुल लतीफ जमील पावर्टी एक्शन लैब साउथ एशिया और द/नज इंस्टीट्यूट ने गरीबी उन्मूलन के लिए ग्रेजुएशन अप्रोच की राष्ट्रीय स्तर पर वृद्धि को तेजी से बढ़ावा देने के लिए साझेदारी की है. ग्रेजुएशन अप्रोच के तहत गरीबों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और वित्तीय मदद से साथ उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा तथा रोजगार के लिए प्रशिक्षण मुहैया कराकर स्वाबलंबी बनाने का प्रयास किया जाता है ताकि वे दोबारा गरीबी के चक्रव्यूह में न फंस सकें.

एआई ने पुराने डेटा सेंटर्स को बना दिया धीमा

नज़दीक प्रोसेसर, तेज़ प्रदर्शन यही है फॉर्मूला

हाइपरस्केल से गीगावॉट तक बदल रही है डेटा दुनिया

लंदन, 23 सितम्बर. एआई टेक्नोलॉजी की तेज़ रफ्तार को बनाए रखने के लिए दुनिया भर में एक नई दौड़ शुरू हो चुकी है — डेटा सेंटर्स की. निवेश बैंक मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2029 तक वैश्विक स्तर पर करीब 3 ट्रिलियन 250 लाख करोड़ सिर्फ एआई डेटा सेंटर्स पर खर्च होंगे.

इनमें से आधी राशि इन सेंटर्स के निर्माण पर, और आधी उनमें लगने वाले हाई-एंड हार्डवेयर पर खर्च होगी. ये वो आंकड़ा है जो 2024 में फ्रांस की पूरी अर्थव्यवस्था के बराबर था.

यूके में ही अगले कुछ वर्षों में 100 से अधिक नए डेटा सेंटर्स बनाए जाएंगे. माइक्रोसॉफ्ट ने अकेले 30 बिलियन (2.4 लाख करोड़) के निवेश की घोषणा की है. तो क्या फर्क है एआई डेटा सेंटर्स और पारंपरिक डेटा सेंटर्स में? असल बात है — डेंसिटी. एआई मॉडल, जैसे कि चैटजीपीटी या क्लोड, को प्रशिक्षित करने के लिए भारी प्रोसेसिंग की ज़रूरत होती है. इसके लिए नविदा के विशेष चिप्स इस्तेमाल होते हैं, जो 4 मिलियन की कीमत वाले कैबिनेट्स में लगाए जाते हैं. इन कैबिनेट्स को बेहद करीब रखा जाता है ताकि नैनोसेकंड की भी देरी से बचा जा सके.

समाचार विशेष

वायनाड में घिरीं प्रियंका गांधी

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ही उठाए सवाल, पार्टी पर गहराया संकट!

वायनाड. सांसद और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का वायनाड दौरा कार्यकर्ताओं के बीच हलचल का कारण बन गया है. स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दौरे के आयोजन और उसके तरीकों को लेकर नाराजगी जताई है. जिसके बाद पार्टी के भीतर चल रहे आंतरिक विवादों और प्रियंका की गतिविधियों के प्रति स्थानीय नेताओं की उपेक्षा ने इस असंतोष को और बढ़ा दिया है.

प्रियंका गांधी का 11 सितंबर से 22 सितंबर तक 12 दिनों का वायनाड दौरा था. खास बात यह है कि इस दौरान न तो भीड़भाड़ वाले कार्यक्रम हुए और न ही स्थानीय कांग्रेस इकाई उनकी गतिविधियों से जुड़ी दिखी. वहीं शुक्रवार को इस दौरे में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और नेता विपक्ष राहुल गांधी भी उनसे जुड़ गए.

कार्यकर्ताओं ने की आत्महत्या पर साधी चुप्पी- वायनाड कांग्रेस इकाई हाल ही में गंभीर आंतरिक समस्याओं का सामना कर रही है, जिनमें पार्टी के पूर्व कोषाध्यक्ष एनएम विजयन और उनके बेटे की आत्महत्याएं शामिल हैं. इन घटनाओं के बावजूद प्रियंका गांधी ने इस संकट के प्रति कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है, जिससे कार्यकर्ताओं में निराशा और असंतोष फैल गया है.

प्रियंका गांधी की चुप्पी और उनके दौरे की गतिविधियां पार्टी के भीतर एकता की कमी और असंतोष को दर्शाती हैं. स्थानीय नेताओं का मानना है कि प्रियंका को पार्टी की आंतरिक समस्याओं पर अधिक ध्यान देना चाहिए और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद बढ़ाना चाहिए. इस बारे में वायनाड जिला कांग्रेस प्रमुख एन डी अप्पाचन ने कहा, 'हमें उनके कार्यक्रमों की जानकारी नहीं दी जाती. सब कुछ उनके दफ्तर से तय होता है. वह स्थानीय राजनीति में शामिल नहीं होना चाहतीं.'

प्रियंका कई कार्यक्रमों में हुई शामिल

बताया जा रहा है कि, पिछले एक हफ्ते में प्रियंका ने कई धार्मिक नेताओं, लेखकों, भू-संरक्षक चेरुवायल रामन जैसे पद्मश्री विजेताओं और भूस्खलन पीड़ितों से मुलाकात की. इस दौरान प्रियंका ने सुल्तान बथेरी में एक आंगनबाड़ी का उद्घाटन किया और बच्चों के लिए खिलौने खरीदकर वहां पहुंचाए. इसके साथ ही गुरुवार को वे मुत्तिल स्थित वायनाड मुस्लिम ऑर्फनेज गईं, लेकिन कांग्रेस सहयोगी आईयूएमएल को उनके कार्यक्रम की जानकारी नहीं दी गई.

भाजपा का नहीं होगा एकछत्र शासन!

तीनों दलों का टारगेट अलग, अजित बोले- विदर्भ किसी एक का गढ़ नहीं

मुंबई. उपमुख्यमंत्री व एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार ने कहा कि विदर्भ कभी किसी एक पार्टी का गढ़ नहीं रहा. मैं जब राजनीतिक क्षेत्र में आया तो तब इंदिरा कांग्रेस ने अनेक स्थानीय कार्यकर्ताओं को उम्मीदवारी दी थी. उम्मीदवारों को जीत की अपेक्षा भी नहीं थी और वे चुनकर आए. चुनाव अधिकारी ने फोन कर उम्मीदवारों को जीत की सूचना दी और प्रमाणपत्र लेने आने को कहा.

उन्होंने कहा कि अलग-अलग समय में विदर्भ में राजनीतिक दलों को जनता ने आगे किया है. उन्होंने कहा कि आज भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है. विदर्भ में देवेन्द्र फडणवीस, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी नेतृत्व कर रहे हैं. वे एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे. स्थानीय निकाय चुनाव के संदर्भ में उन्होंने कहा कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद गठबंधन का निर्णय लिया जाएगा. उन्होंने कहा कि नागपुर से कुछ सीटें हमें मिलनी चाहिए.

तीनों दलों की अपेक्षाएं अलग- सभी पार्टी अपने अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को उम्मीदवारी दिलाने का प्रयास करती हैं और मैं भी वही कर रहा हूं. भाजपा बड़ा दल है तो उनके कार्यकर्ताओं की अलग अपेक्षा है.

> **लोकसभा चुनाव में बड़ी कीमत चुकाई**
>
> अजित पवार ने माना की हमने लोकसभा चुनाव में बड़ी कीमत चुकाई. राज्य में एनडीए को केवल 20 सीटें ही मिल पायी थीं. वोटर लिस्ट पर राहुल गांधी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि राहुल कुछ भी बोल रहे हैं. इंडिया गठबंधन ने 31 सीट जीतीं तब किसी ने ईवीएम पर आरोप नहीं लगाया. कांग्रेस जहां हारती है वहीं नया मुद्दा सामने लाया जाता है. कर्नाटक, तेलंगाना, पंजाब, हिमाचल प्रदेश व पश्चिम बंगाल में भी चुनाव के बाद मतदान को लेकर किसी ने आरोप नहीं लगाए. शरद पवार व जयंत पाटिल को लेकर भाजपा विधायक पडलकर के वक्तव्य पर उन्होंने कहा कि किसी को असभ्य बयान नहीं देना चाहिए.

माले ने दिखाया कांग्रेस को आईना

सीट शेयरिंग पर सियासी अटकलें तेज

पटना. महागठबंधन में सीट बंटवारे के फंसे पेंच को लेकर भाकपा-माले के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने बड़े मुखर अंदाज में कांग्रेस को नसीहत दी है. दीपंकर ने कहा कि कांग्रेस अपनी लड़ने की क्षमता से ज्यादा सीटें न मांगें, बल्कि इसकी चिंता कर कि भले सीटें कम लड़नी पड़े, लेकिन कैसे ज्यादा सीटें जीती जाएं.

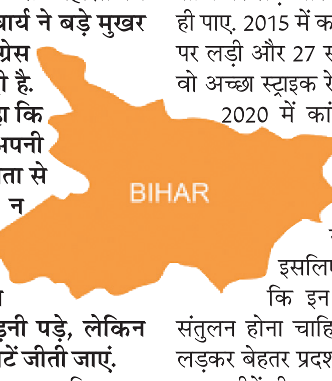

दीपंकर ने कहा कि कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा लगभग 70 सीटों की मांग की खबरें मैंने देखी है, लेकिन पिछली बार वो 70 सीटों पर लड़े और जीत सिर्फ 19 ही पाए. 2015 में कांग्रेस 40 सीटों पर लड़ी और 27 सीटें जीती थीं. वो अच्छा स्ट्राइक रेट था, लेकिन 2020 में कांग्रेस 70 सीट लड़ी जो उनकी लड़ने की क्षमता से ज्यादा थी, इसलिए मुझे लगता है कि इन सबके बीच संतुलन होना चाहिए. कम सीटें लड़कर बेहतर प्रदर्शन करना और ज्यादा सीटें जीतना महागठबंधन के हित में है.

विशेष तेजस्वी यादव के खिलाफ खोला मोर्चा

मोदी के समर्थन में उतरे लालू के लाल

पटना. बिहार में विधानसभा चुनाव की औपचारिक रणभेरी भले ही अभी न बजी हो लेकिन सूबे का सियासी माहौल एकदम गर्मा चुका है. राजनैतिक दलों और राजनेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप की फ्रीक्वेंसी बढ़ गई है.

इस बीच तेज प्रताप यादव ने कुछ ऐसा किया है जिससे उनके ही छोटे भाई तेजस्वी यादव की धड़कनें बढ़नी तय हैं. जी हां! बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई अमर्यादित टिप्पणी को लेकर विवाद गहरा गया है. इस मुद्दे पर तेजस्वी यादव के बड़े भाई और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप ने कड़ा रुख अपनाया है.

तेज की पार्टी करेगी आंदोलन- लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि अपशब्दों का इस्तेमाल करने वालों को जेल भेजा जाना चाहिए. तेजप्रताप ने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो उनकी पार्टी जनशक्ति जनता दल महुआ में आंदोलन शुरू करेगी. उन्होंने कहा कि अपशब्दों के इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें तुरंत जेल भेजा जाना चाहिए. तेज प्रताप यादव ने कहा कि हमने पहले भी कहा है और फिर कहते हैं, किसी भी मां को गाली देना निंदनीय है. मां तो मां होती है. वह अपने बच्चे को जन्म देती है और नौ महीने तक उसे अपने गर्भ में रखती है. मां की बेइज्जती करने वाले या मां पर उंगली उठाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करनी चाहिए और उन्हें सीधे जेल भेज देना चाहिए. तेज प्रताप यादव के इस ऐलान के बाद महागठबंधन की टेंशन बढ़ना तय है. क्योंकि, राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि बीजेपी और जेडीयू इसे मुद्दा बनाकर तेजस्वी यादव के खिलाफ इस्तेमाल करेगी. जिसका खामियाजा चुनाव में भुगतना पड़ सकता है.

> **सरकार से की एक्शन की मांग**
>
> तेज प्रताप कहा कि जिन लोगों ने आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई न केवल आवश्यक है, बल्कि लोकतंत्र और सांप्रदायिक-सामाजिक मर्यादा बनाए रखने के लिए भी अनिवार्य है. उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग ऐसा कर रहे हैं, उनके ऊपर एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाना चाहिए. हम बिहार सरकार और केंद्र सरकार दोनों से ज्ञापन के माध्यम से इसकी त्वरित कार्रवाई की मांग करते हैं. बिहार के पूर्व मंत्री ने सख्त लहजे में आगे कहा कि अगर आरोपियों को जेल नहीं भेजा गया तो वे आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे. तेज प्रताप ने कहा कि अगर उसे जेल नहीं भेजा जाता है, तो हम आंदोलन करेंगे.